स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं जागरूक होकर जिले की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने मे भागीदार बनें – महेश मीणा, पुलिस अधिक्षक बांसवाडा – राजस्थान।

– बांसवाडा 17 जुलाई 2013

महिलाएं जागरूक होकर कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में भागीदार बन सकती है इसके लिए उन्हें संगठित होना होगा तथा यह महिला स्वयं सहायता समूह के गठन से सम्भव है। उक्त विचार मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधिक्षक महेश मीणा ने ट्रस्ट के सभागार मे बुधवार को केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय की महत्वकांक्षी योजना महिला स्वंय सहायता समुह संवर्धन परियोजनान्तर्गत ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित 1 दिवसीय महिला जागरूकता कार्यक्रम में कहे। उन्होने कहा कि यदि हम बांसवाडा जिले की वर्तमान परिस्थितियों का विश्लेषण करे तो पाएगें कि बालिकाओं और महिलाओं के शिक्षा का प्रतिशत बढ़ा है, महिलाएं आज शैक्षिक, प्रशासनिक, कृषि, व्यावसायिक, तकनिकी क्षेत्रों के साथ साथ चिकित्सा, उद्योग, सेना, पुलिस, पत्रकारिता, फिल्म, पर्यटन जैसे चुनौती पूर्ण क्षैत्रों मे भी कुशलता पूर्वक कार्य करते हुए आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनी है। मीणा ने कहा कि हमें सहकारिता की भावना एक सबके लिए और सब एक के लिए को चरितार्थ करना होगा।

इस मौके पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक राजेन्द्र सिंह ने नाबार्ड की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए समूहों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से स्वावलम्बी एवं जागरूक बनने की बात कही।

कार्यक्रम मे जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक जे. एल. सुथार ने कहा कि स्वयं सहायता समूह के माध्यम से परिवार व राष्ट्र का सशक्तिकरण व आर्थिक विकास संभव है। इसलिए जरूरी है कि जिले में अधिक से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़े जिसमे बैंक हमेशा आपके साथ है।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक श्रीमती लीला पड़ियार ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम महिलाओं पर गंभीर चिन्तन मनन करते हुए अपनी एक अर्न्तदृष्टि विकसित करें कि हम कैसा समाज चाहते है ? सही मायने मे हम ऐसा समाज चाहते है जहां महिलाओं का वास्तविक सम्मान हो जो भी व्यक्ति किसी महिला का अपमान करने की कोशिश करे उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए साथ ही उन्होनें कहा कि लडको को बचपन से ही अपनी माँ, बहन और पत्नी के सम्मान करने की शिक्षा के साथ सभी महिलाओं को सम्मान देने की शिक्षा दी जाए क्योंकि नारी हर रूप मे पुरूष के लिए त्याग करती है और उसी की सेवा, श्रम, उदारता और सहनशक्ति से परिवार और समाज चलता है।

इससे पूर्व कार्यक्रम में ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर ने सभी अतिथियों का संस्था की ओर से स्वागत करते हुए संस्था द्वारा संचालित परियोजनाओ की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही तोमर ने सभी महिलाओं को समूहो से जुडकर अपनी गतिविधियों का संचालन किए जाने का आग्रह किया और कहा कि न केवल इस जनजाति क्षैत्र अपितु आंध्र प्रदेश व कर्नाटक जैसे राज्यों में भी इस प्रकार के समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने मे कामयाब सिद्ध हुए है। ऐसे मे आवश्यकता इस बात की है कि यह समूह अपने उत्पादो का विपणनकर उसे आत्म निर्भर बनाने मे निष्ठा व ईमानदारी से जुटे।

कार्यशाला में जिला परिषद बांसवाडा के परियोजना अधिकारी अशोक सैन ने जिला परिषद द्वारा संचालित ग्रामीण विकास परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में ट्रस्ट के जिला परियोजना समन्वयक उदयलाल गुर्जर ने पिछडा क्षैत्र अनुदान कोश के अन्तर्गत एकीकृत विकेन्द्रीकृत वार्षिक एवं पंचवर्षीय योजना की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम मे जयपुर से पधारे ट्रस्ट के कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण मुरानी , बांसवाडा के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश त्रिपाठी , कन्हैयालाल रावल ,नरेन्द्र जगताप , नरेन्द्र नागर, नानुराम पटेल, दिनेश जैन, अनिल जैन, ओमप्रकाश बैरवा , नितिन जोशी, अनिशा सिंह, पवन नागदा सहित जिले की 150 महिला कृषको ने भाग लिया।

कार्यशाला का संचालन ट्रस्ट के कन्हैयालाल रावल ने किया व आभार व्यक्त ट्रस्ट के नरेन्द्र कुमार जगताप ने माना। कार्यक्रम मे 150 महिला कृषको ने भाग लिया।

एच. के. तोमर
जिला कार्यक्रम प्रबन्धक
ग्रामीण विकास ट्रस्ट
बांसवाडा, राजस्थान